औरोविल प्रेस सूचना पत्रक

औरोविल विश्व भर के लगभग 50,000 लोगों के लिए एक विनियोजित टाउन है, वर्तमान दक्षिण-पूर्वी भारत में जिसका निर्माण कार्य जारी है। अधिकतर तमिल नाडू राज्य में स्थित, कोरोमंडल तट के निकट है और पोंडिचेरी से कुछ 10 किमी उत्तर और चेन्नई से 150 किमी दक्षिण में स्थित है, यह अनुसंधान एवं शोध का स्थल है, जिसका उद्देश्य पृथ्वी पर पहली बार – पूरी तरह से मानवता की तरफ से विविधता में मानवों की वास्तविक एकता – कायम करना है।

इतिहास

मानवों की एकता की शोध के प्रति समर्पित एक अंतर्राष्ट्रीय-सार्वत्रिक टाउन की अवधारणा मूल रूप से भारत के महान दार्शनिक-योगी श्री औरोबिन्दो की रचना से प्रकट हुई है। उनके आध्यात्मिक सहयोगी एवं सह-कर्ता मिर्रा अल्फासा, जिनका जन्म फ्रांस में हुआ था और जिन्हें द मदर के नाम से जाना जाता है, ने पहली बार इसे 'औरोविल' का नाम देकर इसे अधिक ठोस स्वरूप दिया था और कहा था कि:

> *"औरोविल एक सार्वत्रिक टाउन होगा जहाँ सभी देशों के पुरुष एवं महिलाएं हर धर्मों, हर राजनीतियों और हर राष्ट्रीयता से ऊपर उठ कर शांति और प्रगामी एकता के साथ रह सकेंगे। औरोविल का लक्ष्य है मानव एकता सिद्ध करना।"*

यह औरोविल के बारे में वर्ष 1965 में दिया गया पहला सार्वजनिक कथन था। उसके बाद, 1966 में, भारत सरकार (जीओआई) ने यूनेस्को की महा सभा के समक्ष औरोविल की अवधारणा प्रस्तुत की थी, और इसके लिए सर्वसम्मत अनुमोदन प्रदान की गई थी। दो वर्षों बाद, 28 फरवरी 1968 को, 124 देशों एवं भारत के सभी राज्यों का प्रतिनिधित्व करते युवाओं ने एक साथ आकर टाउनशिप का उद्घाटन किया और द मदर से इसका अधिकार-पत्र प्राप्त किया, जिसमें निम्न उल्लिखित था:

1. औरोविल विशेष रूप से किसी की भी संपत्ति नहीं है। औरोविल पूर्ण रूप से मानवता के प्रति समर्पित है। किन्तु औरोविल में रहने के लिए एक व्यक्ति का दैवी चेतना के प्रति स्वेच्छया सेवक होना आवश्यक है।
2. औरोविल चिरस्थायी शिक्षा, निरंतर प्रगति, और कभी जीर्ण न होने वाले यौवन का स्थल होगा।
3. औरोविल अतीत एवं भविष्य के मध्य एक पुल बनने की इच्छा रखता है। बाहरी एवं आतंरिक सभी खोजों का लाभ उठाते हुए, औरोविल निडरता से भविष्य के प्रापणों के तरफ कदम बढ़ाएगा।
4. औरोविल वास्तविक मानव एकता के जीवंत मूर्तरूप के लिए वस्तुगत एवं आध्यात्मिक अनुसंधानों का एक स्थल होगा।

उसी समय यूनेस्को ने परियोजना पर अपनी सर्वसम्मत अनुमोदन को दोहराया था, 1970 और 1983 में भी इसे दोहराया था।
1988 में, जब संसद के विधान द्वारा 'औरोविल फाउंडेशन' का निर्माण किया गया था तब भारत सरकार ने इस परियोजना को एक विशेष दर्जा दिया था।
औरोविल के लिए चुनी गई स्थल पूर्व दिशा में समुद्र की ओर विस्तृत एक अत्यंत अपरदित पठार थी। परियोजना की आरंभिक प्राथमिकता पर्यावरण पुनर्जनन एवं भूमि पर पुनर्वनरोपण करना थी। आज तक, 2 मिलियन से अधिक वृक्ष रोपित किए जा चुके हैं, जिसका परिणाम यह है कि इस क्षेत्र में अब हरी एवं विस्तृत वन्य परिदृश्य है। इस कार्य के साथ-साथ, जितना संभव हो - गैर-प्रदूषणकारी उचित प्रोद्योगिकी एवं सतत ऊर्जा जनन तंत्रों के उपयोग से - टाउन और इसके आस-पास के निकटतम क्षेत्र के विकास पर हमेशा से बल दिया गया है।

आज की औरोविल

टाउन की मास्टरप्लान सर्पिल आकाशगंगा की आकृति पर आधारित है और इसमें चार क्षेत्र (अंतर्राष्ट्रीय, सांस्कृतिक, औद्योगिक एवं आवासीय क्षेत्र) साथ ही चारों तरफ हरित पट्टी समाविष्ट है। चारों क्षेत्रों में केंद्र के रूप में एक विशाल गोलक के आकार की संरचना है जिसे मातृमंदिर, अर्थात 'औरोविल की आत्मा' कहा जाता है, जो मौन ध्यान करने का स्थल है। मातृमंदिर चरों तरफ से सुन्दर उद्यानों, और अंततः एक झील से घिरी होगी।

आज औरोविल में भारत सहित 50 से अधिक देशों के 2,700 से भी अधिक निवासी हैं, जो भिन्न आकारों और विशेषताओं वाले लगभग 120 आवास क्षेत्रों में रहते हैं जो कुल 20 वर्ग किमी की क्षेत्र में फैला हुआ है। अपनी रोजमर्रा के जीवन में वे कृषि एवं हरित कार्यों, नविकरणीय ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, ग्राम पहुँच, निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, वाणिज्य, कलाओं एवं प्रशासन के क्षेत्रों में व्यस्त रहते हैं। स्थानीय रुपयों में मासिक मूलभूत 'जीविका' प्राप्त करने वाले या परियोजना के प्रति योगदान के रूप में अपने संसाधनों से अपने लिए आंशिक या पूर्ण भुगतान करने वाले, सभी व्यक्ति स्वेच्छासेवक हैं।

औरोविल का साधारण वित्त पोषण पाँच श्रोतों– भारत सरकार एवं भारत एवं विदेशों के गैर शासी संगठनों; 33 देशों की औरोविल अंतर्राष्ट्रीय केन्द्रों और संपर्क कार्यालयों; औरोविल के अनेकों व्यवसायिक/ वाणिज्यिक इकाईयों की लाभ का प्रतिशत; विश्व भर में औरोविल के व्यक्तिगत समर्थकों

जो इस बात का वैश्विक महत्व समझते हैं कि इस अनोखे शोध के माध्यम से क्या सिद्ध करने का प्रयास किया जा रहा है; एवं, काफी हद तक, स्वयं औरोविल के निवासियों द्वारा होता है।

औरोविल का महत्व एवं पहुँच

औरोविल का कार्य न तो एक उभरते हुए टाउन और न ही एक विस्तृत जैव-क्षेत्र की जरूरतों को पूर्ण करने तक सीमित है। औरोविल के नजर में यह पूर्ण रूप से मानवता के अनुसंधान एवं शोध कार्यों का स्थल है, जो न केवल सतत अभ्यासों बल्कि अधिक महत्वूर्ण रूप से प्रायोगिक मानव एकता पर आधारित एक समाज स्थापित करने पर बल देता है अंततः जिसका अनुसरण सभी लोग एवं हर राष्ट्र कर सकता है। औरोविल के पर्यावरण संबंधी कार्यों के लिए पहले ही राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसे अभिनन्दन प्रदान किया जा चुका है। कई सौ एकड़ में वन्य क्षेत्र का निर्माण किया गया है; स्वदेशी वनस्पतियों और प्राणिजगत को पुनः लाया गया है और प्राकृतिक रूप से उत्पन्न हुए हैं; वानस्पतिक उद्यानों, वृक्ष पौध पौधशालाओं और बीज बैंकों की स्थापना की गई है; और व्यापक रूप से मृदा एवं जल संरक्षण अभ्यासों की शुरुआत की गई है। कीटनाशकों एवं हानिकारक रसायनों के उपयोग के बिना पारिस्थिति रूप से स्वस्थ कृषि का विकास और इसके साथ आधुनिक कृषि-वन्य तकनीकों के सक्रिय उपयोग का अनुसरण भी किया जा रहा है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, औरोविल निकटवर्ती तटीय क्षेत्रों में भू-जल के अत्यधिक पम्पिंग के कारण खारे जल के प्रवेश के खतरों के बारे में जागरूकता फैलाने में भी शामिल है; अल्प जल पर निर्भर करने वाली कृषि अभ्यासों की पहचान करने और इसकी शुरुआत करने में कृषक संघ के साथ काम कर रहा है; प्रभावकारी सूक्ष्म-जीव (ईएम) प्रोद्योगिकी के उपयोगों का प्रचार कर रहा है।

औरोविल पृथ्वी संस्थान (एईआई) के साथ उपयुक्त प्रोद्योगिकी में अपने विकास कार्य के लिए 1984 से भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र (सीएसआर), भविष्य-अभिविन्यस्त गतिविधियों की केंद्र बिंदु है। औरोविल पृथ्वी संस्थान नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम, परामर्श प्रदान करती है, भवनों को डिज़ाइन, अपनी खुद की संपीडित मिट्टी की ईंटों की प्रोद्योगिकी के समावेशन सहित निर्माण का अधीक्षण करती है, और यह मृदा वास्तुकला के यूनेस्को चेयर के भारतीय एवं दक्षिण एशियाई प्रतिनिधि के अध्यक्षता अधीन है। औरोविल प्रयुक्त प्रोद्योगिकी संस्थान (एआईएटी) एक गैर-लाभ प्रशिक्षण विद्यालय है जो स्थानीय ग्रामों के विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करता है।

औरोविल के निवासियों ने जिन पहुँच कार्यों की जिम्मेदारी उठाई है उसमे पॉडिचेरी के भारती पार्क के रूपांतरण का निरीक्षण करना, ट्रैनक्यूबार में ऐतिहासिक इमारतों का उद्धार करना, चेन्नई की अद्यार खाड़ी को एक स्वस्थ एवं पर्यावरणीय रूप से सतत प्रकृति आरक्षित क्षेत्र में रूपांतरित एवं उद्धार करना भी शामिल है।

शिक्षा

औरोविल की बहु-सांस्कृतिक शैक्षिक प्रणाली अपने दस विद्यालयों के माध्यम से प्रत्येक बालक को अपनी आतंरिक पहचान की खोज करने और अपनी अधिकतम क्षमताओं को पहचानने में सहायता करती है। यह वर्धमान रूप से एक स्वतंत्र चयन तंत्र पर आधारित है, जो बच्चों/ विद्यार्थियों को अपने अध्ययन विषयों का चयन स्वयं करने की अनुमति प्रदान करती है। बच्चे की संतुलित एवं स्वस्थ विकास के लिए खेलों और शारीरिक शिक्षा को सुदृढ़ता से प्रोत्साहित किया जाता है, सौन्दर्यपरक योग्यताओं के विकास के लिए कलात्मक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। अधिकतर औरोविल और पहुँच विद्यालय इसएआईएलईआर (श्री औरोबिन्दो अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान संस्थान) की छत्र-छाया के अधीन है। भारत एवं विदेश के स्वेच्छा विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिन्हें टाउन द्वारा मार्गदर्शित एवं अनुवीक्षित यथार्थ गतिविधियाँ और अध्ययन परियोजनाएं सौंपी जाती है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, ग्राम कार्य दलों द्वारा स्थापित एवं प्रबंधित अन्य आधा दर्जन दिन या रात में प्रचलित विद्यालयों और शिक्षा केन्द्रों के माध्यम से आस-पास के ग्रामों के लगभग 700 बच्चों को औरोविल की शिक्षा कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त होता है।

कलाएं एवं संस्कृति

अर्ध वार्षिक चलचित्र महोत्सव आयोजित करने के अलावा, औरोविल में नियमित चलचित्र प्रदर्शन होता है, और साथ ही निवासियों और अतिथियों के लिए कभी-कभी रंगमंच, संगीत, नृत्य और गायक मंडल का प्रदर्शन, काव्य पठन, प्रदर्शनियां, पॉवर पॉइंट प्रस्तुतियां, व्याख्यान, इत्यादि सभी आम तौर पर स्वतंत्र होता है। टाउन की रचनात्मक ऊर्जा क्षेत्र विभिन्न स्वरूपों की कलात्मक अभिव्यक्तियों के लिए काफी सहायक है, हालांकि भारत के विभिन्न स्थानों पर औरोविल कला महोत्सव एवं प्रदर्शनियां आयोजित होती है।

स्वास्थ्य

औरोविल के निवासियों और ग्राम के रोगियों दोनों के लिए एलोपैथी और दंत चिकित्सा सहित, टाउन क्षेत्र के भिन्न केन्द्रों के माध्यम से वैकल्पिक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के अनेक तंत्र उपयोग में हैं, जिसमें होमियोपैथी, आयुर्वेद, भौतिक चिकित्सा, प्राकृतिक चिकित्सा, एक्युपंक्चर, मालिस और अन्य उपचार शामिल है।

टाउन के केंद्र के निकट एक नई सम्पूर्ण स्वास्थ्य संस्थान, जो औरोविल के निवासियों एवं अतिथियों के लिए उपलब्ध है, के साथ, क्युड्डलापलयम गाँव के निकट मूल औरोविल स्वास्थ्य केंद्र भी स्थित है जो मूलभूत चिकित्सीय सुविधाओं से लैस है और अपने मुख्य भवन और ग्रामों में अवस्थित इसकी 7 उप-केन्द्रों के माध्यम से औरोविल समुदाय और प्रतिदिन लगभग 200 स्थानीय रोगियों की जरूरतें पूरी करता है। 30 से अधिक स्थानीय महिला कार्यकर्ताएं, जो औरोविल द्वारा प्रशिक्षित हैं, वे निकटवर्ती 17 ग्रामों में सक्रिय रूप से प्राथमिक उपचार देती हैं, घरेलु उपचार की सलाह, मूलभूत स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करती हैं, और ग्रामों में छोटी पारिवारिक सब्जी उद्यानों के ज़रिए बेहतर पोषण के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

सामाजिक उद्यम

औरोविल में लगभग 180 वाणिज्यिक/ व्यावसायिक इकाईयों और 70 सेवा इकाईयों की परिचालना होती है। वाणिज्यिक/ व्यावसायिक इकाईयों की गतिविधियों में हस्तशिल्प, ग्राफिक डिज़ाइन और प्रिंटिंग, खाद्य प्रक्रम, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं अभियांत्रिकी, धातु कार्य, पवन चक्की उत्पादन, वस्त्र एवं फैशन, कंप्यूटर सेवाएं, भवनों का निर्माण एवं वास्तुकला शामिल है। वे अपने लाभों का तीसरा या अधिक हिस्सा टाउन के जारी विकासों और इसकी मूलभूत सेवाओं और अवसंरचनाओं के रखरखाव में योगदान करते हैं, और साथ ही काफी संख्या में स्थानीय लोगों को रोजगार और प्रशिक्षण का अवसर भी प्रदन करते हैं, जिनमे से लगभग 5,000 लोगों को औरोविल में नौकरी दी गई है।

संगठन

तीन पृथक किन्तु परस्पर प्रभावित करती निकाय – औरोविल में रहने वाले सचिव सहित एक शासी मंडल, एक अंतर्राष्ट्रीय सलाहकारी परिषद, और एक निवासी सभा औरोविल की बुनियाद हैं, निवासी सभा में निवासियों की मास्टर लिस्ट पर मौजूद 18 या अधिक आयु के औरोविल के सभी निवासी शामिल हैं। प्रत्येक कुछ वर्षों में निवासियों द्वारा टाउन की मौलिक प्रशासनिक आवश्यकताओं के प्रबंधन में खुद को समर्पित करने के इच्छुक औरोविल के स्वेच्छा निवासियों में से 'औरोविल परिषद' और 'औरोविल कार्य समिति' जैसी निकायों का निर्वाचन होता है। अधिकतर मुख्य निर्णय, विशेष रूप से विवादात्मक प्रकृति वाले मामलों का निर्णय, साधारण सभा में लिया जाता है, या अधिक आधिकारिक मामलों का निर्णय निवासियों की सभा में ली जाती है।

अतिथि केंद्र

औरोविल में भिन्न शैलियों और मानकों के अनेक अतिथि भवन हैं। डे विजिटर्स टाउन के लक्ष्यों और इन्हें हासिल करने के सभी प्रयासों की विस्तृत जानकारी अतिथि केंद्र की इन्फो डेस्क, भिन्न प्रदर्शनियों और वीडियो प्रदर्शन से प्राप्त कर सकते हैं और साथ ही 3 बूटीक, 2 रेस्टरा, एक कॉफ़ी शॉप और अन्य सुविधाओं का आनंद ले सकते हैं।

औरोविल के बारे में अधिक जानकारियों के लिए कृपया वेबसाइट www.auroville.org पर जाएं या निम्न से संपर्क करें: आउटरीचमीडिया, मल्टीमीडिया सेंटर, औरोविल 605101, तमिल नाडू, भारत; ई-मेल: outreachmedia@auroville.org.in (जून 2020)